(i) Printed Pages : 3 Roll No. .....

(ii) Questions : 3 Sub. Code : 0 6 0 5

Exam. Code : 0 0 0 7

B.A./B.Sc. (Hons.) 3rd Semester

(2123)

HINDI

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :- (1) प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें।

(2) उत्तर साफ़-सुथरे और सार्थक लिखें।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12+12=24

(क) भू-लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला-स्थल कहाँ है ?
फ़ैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ,
संपूर्ण देशों से अधिक, किस देश का उत्कर्ष है ?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन ? भारतवर्ष है।।

अथवा

विद्या, कला, कौशल्य में सबका अटल अनुराग हो,
उद्योग का उन्माद हो, आलस्य-अघ का त्याग हो।
सुख और दुख में एक-सा सब भाइयों का भाग हो,
अन्त:करण में गूँजता राष्ट्रीयता का राग हो।।

(ख) रिषिनारी उधारि, कियो सठ केवटु मीतु, पुनीत सुकीर्ति लही।
निजलोकु दियो सबरी-खग को, कपि थाप्यो, सो मालुम है सबही।।
दससीस-बिरोध सुभीत विभीषनु भूपु किया, जग लीक रही।
करुनानिधिको, भजु रे तुलसी ! रघुनाथ अनाथके नाथु सही।।

अथवा

मेरे जाति-पांति, न चही काहू की जाति-पांति,
मेरे कोऊ काम को, न हौ काहू के काम कौ।
लोक परलोक रघुनाथ ही के हाथ सब,
भारी है भरोसौ 'तुलसी' के एक नाम कौ।
अति ही अयाने उपखानो नहिं बूझें लोग,
साह ही को गोत भोत है गुलाम कौ।
साधु कै असाधु कै भलौ कै पौच, सोच कहा,
का काहू के द्वार परो ? जा हौं सो हौं राम कौ।।

2. निम्नलिखित में से **तीन** दीर्घ समीक्षात्मक प्रश्नों के उत्तर दीतिए। प्रत्येक खण्ड से कम से कम **एक** प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है : 18+18+18=54

खण्ड-क

(1) 'भारत भारती' के तीनों खण्ड हमें क्या संदेश देते हैं ? अपने शब्दों में लिखिए।

(2) 'भारत भारती' राष्ट्रीय-साँस्कृतिक चेतना को जगाने वाली प्रासंगिक रचना है। इस कथन के परिप्रेक्ष्य में 'भारत भारती' का मूल्याँकन कीजिए।

(3) 'भारत भारती' के अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष की विशेषताएं लिखिए।

खण्ड-ख

(4) 'कवितावली' के आधार पर उस समय का युग-चित्रण कीजिए।

(5) 'कवितावली' का 'उत्तरकांड' का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

(6) तुलसीदास का परिचय देते हुए 'कवितावली' की भाषा-शैली की विशेषताएं लिखिए।

3. राष्ट्रभाषा हिंदी के स्वरूप को समझाते हुए उसका महत्व बताइए। 12